नाट्यकला

(285)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांक - 20

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- **2**

(क) पुत्तलिका नृत्य द्वारा भारतीय नाट्योत्पत्ति को बताइए । (देखें पाठ-1)

(ख) ऋग्वेद में संवाद-सूक्त रूपी नाट्य तत्वों से संबंधित किन्ही चार संवाद सूक्तों का उल्लेख कीजिए। (देखें पाठ-1)

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- **2**

(क) प्रासंगिक कथावस्तु को उदाहरण देते हुए समझाइए। (देखें पाठ-4)

(ख) पताका और प्रकरी में अंतर को बताइए। (देखें पाठ-4)

3. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- **2**

(क) नाट्य में नियतश्राव्य को के भेदों का उल्लेख कीजिए। (देखें पाठ-4)

(ख) प्रतिमानाटक में आचार्य भास ने कैकेयी के चरित्र को किस रूप में उल्लेख किया है। (देखें पाठ-9)

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- **4**

(क) प्रतिमानाटक के किसी एक अंक का सार लिखिए। (देखें पाठ-9)

(ख) प्रतिमानाटक के रचना कार भास का सामान्य परिचय लिखिए। (देखें पाठ-9)

5. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- **4**

(क) नागानंद नाटक के रचयिता श्री हर्षवर्धन द्वारा कथा सरित्सागर में वर्णित जीमूतवाहन की मूल कथा में किये गए परिवर्तनों का उल्लेख कीजिए। (देखें पाठ-10)

(ख) नागानंद नाटक की नायिका मलयवती का चरित्र चित्रण लिखिए। (देखें पाठ-10)

Contact for Solutions Unnati Educations
9899436384, 9654279279

6. नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए। **6**

(क) नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रेक्षागृह और आधुनिक रंगमंच में प्रचलित नाट्यगृह का विस्तार से वर्णन करते हुए दोनों के मध्य के अंतर की एक सूची बनाइए। (देखें पाठ-13)

(ग) भारत में नाट्यकला के उद्भव से संबंधित मतों का विस्तार से उल्लेख करते हुए उनकी एक सूची बनाइए। (देखें पाठ-1)

Contact for Solutions Unnati Educations
9899436384, 9654279279